

भजन बिना कैसे गवा दई ज़िंदगानी लिरिक्स



भजन बिना कैसे,
गवा दई ज़िंदगानी,
हेत किया ना हरि से तूने,
करता रहा मनमानी,
भजन बिना कैसे,
गवा दई ज़िंदगानी।bd।

गर्भवास में जब तू आया,
प्रभु से क्या क्या अर्ज सुनाया,
हाथ जोड़कर कसमे खाई,
अब न करब शैतानी,
भजन बिना कैसे,
गवा दई ज़िंदगानी।bd।

सुनी प्रभु ने तोरी अरजिया,
भूल गया मालिक की खबरिया,
पाप की सर पर लादे गठरी,
फिरता रहा अभिमानी,
भजन बिना कैसे,
गवा दई ज़िंदगानी।bd।

परहित कर कुछ पूण्य कमाले,
मानुष तन का लाभ उठाले,
रिखीराम प्रभु के गुण गाले,
बीती जाए जवानी,
भजन बिना कैसे,
गवा दई ज़िंदगानी।bd।

भजन बिना कैसे,
गवा दई ज़िंदगानी,
हेत किया ना हरि से तूने,
करता रहा मनमानी,
भजन बिना कैसे,
गवा दई ज़िंदगानी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

